आर. एम. अग्रवाल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
R.M.AGARWAL
Chairman & Managing Director

हिंदी केवल एक भाषा नहीं बल्कि हमारी राष्ट्रीय पहचान है।

आईटीआई लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
ITI LIMITED
(A Govt. of India Undertaking)

दिनांक:15.08.2020

भारत के 74वें स्वतंत्रता दिवस पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का सन्देश

आईटीआई बोर्ड के मेरे प्रिय निदेशकगण और मेरे प्रिय सहकर्मियों,

हमारी प्यारी मातृभूमि के 74वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ। मैं उन सभी महान स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करता हूं जिन्होंने इस सार्वभौम राष्ट्र, भारत गणराज्य के निर्माण के लिए अपने जीवन का बलिदान किया । मैं उन सभी राष्ट्रीय नेताओं को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जिन्होंने पिछले 73 वर्षों में इस देश को ताकत से ताकतवर बनाया है । हर साल, हम इस दिन को देश भर में बड़े उत्साह और खुशी के साथ मनाते हैं । भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उद्घोषों में, इस दिन को महत्वपूर्ण उपलब्धि के दिन के रूप में याद किया जाता रहा है ।

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि कोविड-19 महामारी कई अनिश्चितताओं को लेकर आई है और आज हर स्तर पर हर किसी के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है और पूरे विश्व भर में मानव जीवन, अर्थव्यवस्था, व्यापार, वाणिज्य, शिक्षा को इस महामारी ने काफी प्रभावित किया है । प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद भी इस ऐतिहासिक दिन का जश्न मनाने के लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि अतीत में दुश्मनों से लड़ने के लिए हमारी दृढ़ संकल्प ने ही हमें स्वतंत्रता दिलाई है । यह समय यह भी महसूस करने का है कि देश के नवनिर्माण के संकल्प के द्वारा यह खूबसूरत देश हमें मिला है । हमें इस कोविड की स्थिति से लड़ने के लिए संकल्प करने की आवश्यकता है ताकि पिछले 3 वर्षों में हमने जो कुछ भी हासिल किया है उसे हम किसी भी कीमत पर खोएं न । हमें खुद को फिर से

तलाशना होगा, फिर से खड़ा होना होगा और सकारात्मकता और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ना होगा ।

किसी भी देश के लिए अपनी ताकत पर खड़ा होना बहुत ही महत्वपूर्ण है । इसी तरह, एक कंपनी को भी अपने वित्तीय निष्पादन पर खड़ा होना बहुत ही महत्वपूर्ण है । मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत ही खुशी हो रही है कि इस वर्ष हमने कंपनी के वित्तीय निष्पादन में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है । वित्तीय वर्ष 2019-20 में हमने 50 करोड़ (कर के बाद) का लाभ अर्जित किया है जो पिछले वर्ष की तुलना में 63.02% की बढ़त के साथ है और कंपनी का सकल कारोबार बढ़कर 2403.45 करोड़ रुपये हो गया है जो 31 मार्च, 2019 को समाप्त पिछली अवधि की तुलना में 27% अधिक है । इस वर्ष की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि कंपनी की निवल संपत्ति 2003 के बाद पहली बार सकारात्मक हुई है । आज की तिथि में हमारे पास पीओ, एपीओ सहित कार्यादेश की स्थिति लगभग 19,540 करोड़ रुपये हैं जो विभिन्न चरणों में है और वर्ष 2020-21 के लिए हमारा समझौता ज्ञापन का लक्ष्य 3000 करोड़ रु. का है । ये सभी उपर्युक्त तथ्य और आंकड़े कंपनी के उत्कृष्ट निष्पादन और आगे के उज्ज्वल भविष्य का संकेत देते हैं ।

विपणन और प्रबंधन परियोजनाओं के विनिर्माण में बदली हुई रणनीति से हमें वित्तीय निष्पादन में उत्कृष्टता हासिल हुई है । हमने अपनी परियोजना प्रबंधन शैलियों को नई तरह से परिभाषित किया है और इसकी झलक हमारी टर्नकी परियोजनाओं जैसे गुजरात और महाराष्ट्र में भारत नेट परियोजना तथा डिफेंस के लिए एनएफएस परियोजनाओं से दिखती है । कोविड महामारी से आई चुनौतियों के बावजूद, गुजरात नेट परियोजना को इस वर्ष के अक्टूबर तक पूरा करने की उम्मीद है । आईटीआई द्वारा गुजरात में किए गए अनुकरणीय कार्यों के लिए हमें गुजरात सरकार से सराहना प्रमाण-पत्र भी प्राप्त हुआ है । एनएफएस परियोजना को इस वर्ष के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा और महानेट परियोजना को भी तय समय सीमा के अंतर्गत पूरा कर लिया जाएगा । इन मेगा टर्नकी परियोजनाओं से हमें इस वर्ष राजस्व में लगभग 80% योगदान प्राप्त हुआ है।

इसके अतिरिक्त, हम इन परियोजनाओं के लिए एचडीपीई, ओएफसी की आपूर्ति करने में सक्षम रहे हैं, जिसके अंतर्गत कंपनी ने इन उत्पादों के लिए एक बुनियादी ढ़ॉचा विकसित किया है और पहली बार इनकी स्थापना होने के बाद उपयोग में लाया जा रहा है । इसके साथ ही महत्वपूर्ण तरीके से, एस्कॉन चरण-IV परियोजना का सबसे प्रतीक्षित आदेश कंपनी को बहुत जल्द ही मिलने की संभावना है और हमें इस परियोजना को बहुत ही प्रतिबद्धता के साथ निष्पादित करने की आवश्यकता है, क्योंकि यह रक्षा संचार प्रणाली के साथ-साथ आईटीआई की वित्तीय स्थिति को भी मजबूत करेगी ।

दूरसंचार के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की और अग्रसित, आईटीआई ने 4 जी और 5 जी वायरलेस के क्षेत्रों में एक साथ काम करने के लिए टेक महिंद्रा के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है । हमारी पहल, अगली पीढ़ी के वायरलेस नेटवर्क का निर्माण करना है जो भारत को दूरसंचार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगा । विभिन्न इकाईयों में दूरसंचार उपकरण के ईएनओडीईबी और 5जी एनआर के विनिर्माण उत्पाद हेतु आईटीआई के पास अत्याधुनिक सुविधाएं और क्षमता उपलब्ध है । इसी तरह, आईटीआई ने एक प्रमुख आईटी और आईटीईएस सेवा संगठन टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, जो विभिन्न आईटी परियोजनाओं और समाधानों में काम करती है के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया । इसके तहत् सुरक्षित आईपी /एमपीएलएस राउटर के निर्माण के लिए साझेदारी को अंतिम रूप दिया गया और ई एंड वी बैंड रेडियो की कोशिश की जा रही है ।

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के रूप में, हम भारत सरकार की आत्म निर्भर भारत पहल को बढ़ाने के लिए भारतीय निजी कंपनियों के साथ हाथ मिला रहे हैं ।

प्यारे सहयोगियों, लॉकडाउन की अवधि के दौरान भी, भारत सरकार की आत्म निर्भर भारत अभियान के संचालन के उद्देश्य को मजबूत करने के लिए कंपनी की व्यवसायिक निरंतरता बनी हुई है । कंपनी ने हाल ही में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ अपने विनिर्माण संयंत्रों में पोर्टेबल वेंटिलेटर

के निर्माण के लिए प्रौद्योगिकी (टीओटी) समझौते पर हस्ताक्षर किया । प्रोटोटाइप परीक्षण के लिए तैयार है ।

यदि डीईबीईएल द्वारा इन्हें मंजूरी दे दी जाती है तो हम देश में रक्षा बलों और अन्य एजेंसियों को बड़े पैमाने पर अपने निर्माण वेंटिलेटर को आपूर्ति करने का इरादा रखते हैं । जैसा कि आप सभी जानते हैं कि कंपनी ने पहले ही फेस शील्ड्स का निर्माण शुरू कर दिया है और लगभग एक मिलियन फेस शील्ड्स की आपूर्ति अब तक की जा चुकी है । अप्रैल और मई, 2020 महीने के दौरान, निगमित सामाजिक जिम्मेदारी को निभाते हुए हमने लगभग 2500 जरुरतमंद परिवारों को खाने का सामान वितरित किया ।

हम हमेशा विभिन्न राजस्व स्रोत की तलाश में लगे हैं जो आने वाले दिनों में आईटीआई को बनाए रखने में मदद करेंगी । इस दिशा में, हमने सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु में एक ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग हब शुरू करने की पहल की है और इस उद्देश्य के लिए आईटीआई ने पहले चरण में 200 एकड़ भूमि को चिह्नित किया है । इस उद्देश्य के साथ आईटीआई की योजना विश्व स्तरीय बुनियादी ढाँचे का निर्माण और देश में इकाइयों की स्थापना के लिए अपनी आपूर्ति श्रृंखला के साथ प्रमुख वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माताओं को आकर्षित करने की है । यह अनूठी पहल इस साल मई के दौरान जारी की गई एमईआईटीवाई की इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी) 2.0 योजना के अनुरूप है ।

आईटीआई टियर 3 डेटा सेंटर अब अतिरिक्त 1000 रैक क्षमता द्वारा विस्तारित किया गया है । अब यह क्लाउड सक्षम डेटा सेंटर बनने जा रहा है जो क्लाउड सेवाओं को लॉन्च करेगा जिसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर के रूप में सेवा (आईएएएस), सेवा के रूप में प्लेटफ़ॉर्म (पीएएएस), सेवा के रूप में सॉफ़्टवेयर (एसएएएस) और सेवा के रूप में संग्रहण (एसटीएएएस) भी शामिल है । यह सरकारी और गैर-सरकारी उद्यमों की मांग पर आईसीटी सेवाओं की खरीद में मदद करेगा । इससे सरकार की डिजिटल इंडिया पहल को बहुत मदद मिलेगी ।

साझेदारी की रणनीति में बदलाव के अंतर्गत, हम विनिर्माण की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए, सभी समझौतों में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को शामिल कर रहे हैं। यह न केवल कंपनी के बुनियादी ढांचे को शामिल करेगा, बल्कि सरकार की मेक इन इंडिया पहल को भी बढ़ाएगा। हम विभिन्न संयंत्रों में एचडीपीई, ओएफसी, सोलर पैनल, स्मार्ट कार्ड, स्मार्ट एनर्जी मीटर, वाईफाई एक्सेस पॉइंट, माइक्रो पीसी के निर्माण के लिए स्थापित सुविधाओं को उपयोग में लाने की योजना बना रहे हैं।

हम अपने कार्यादेश को मजबूत बनाने के लिए निविदाओं में सक्रिय रूप से बोली लगा रहे हैं। आईटीआई ने तमिलनाडु फाइबर नेटवर्क के लिए 2000 करोड़ रुपए, रेलटेल के सीसीटीवी निगरानी निविदा के लिए 2000 करोड़ रुपए, बीएसएनएल जीपॉन निविदा के लिए 100 करोड़ रुपए, राजनेट के लिए एमपीएलएस नेटवर्क सप्लाई के लिए 800 करोड़ रुपए की बोली लगाई है। हम मुरादाबाद, गुवाहाटी, पोर्ट ब्लेयर, कोलकाता तथा अहमदाबाद की स्मार्ट सिटी परियोजना और चेन्नई पुलिस की निविदाएं, बीएसएनएल 4जी निविदा, छत्तीसगढ़ के पीडीएस निविदा, गुजरात इनफॉरमेटिक लिमिटेड के निविदा को मिलाकर लगभग 3050 करोड़ रुपए की निविदाओं में भी भाग लेने हेतु योजना बना रहे हैं।

हम एयरटेल, एनएमडीसी के साथ परियोजनाओं का अन्वेषण कर रहे हैं और एक्सेस मैनेजमेंट सिस्टम, फ्लीट मैनेजमेंट, कौशल विकास, डिजिटल ऐसेट्स मैनेजमेंट सॉल्यूशन, इंटेल के साथ लैप टॉप मैन्युफैक्चरिंग, वर्चुअल स्मार्ट क्लास के लिए सॉल्यूशन, ऑटोमैटिक मीटरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर, कोविड टेस्ट के लिए सॉल्यूशन जैसे विभिन्न व्यवसाय के अवसरों को लाने के लिए नई साझेदारियों को भी विकसित कर रहे हैं।

नवीनतम प्रौद्योगिकी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए, कंपनी को उचित कौशल और प्रतिभावान कार्मिकों की जरूरत है। सेवानिवृत्ति नियमित होने के साथ-साथ, कंपनी को हर महीने लगभग 80 कर्मचारियों की क्षति हो रही है। इस दिशा में हमने विभिन्न स्तरों पर भर्ती प्रक्रिया को प्रारंभ किया है और मौजूदा टीमों को मजबूत करने हेतु विशेषज्ञों को भी शामिल किया है।

प्रिय सहयोगियों, पिछले 3 वर्षों में आईटीआई ने अपने कार्य-निष्पादन में सुधार किया है और बड़ा कार्यादेश बनाया है। व्यापार के प्रति नई रणनीति और आमूल दृष्टिकोण के साथ, हम आने वाले वर्षों में देश के सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक उपक्रमों में से एक बनने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। हमारे निरंतर अनुसरण और कड़ी मेहनत के साथ हमने खुद को मिनीरत्ना उपक्रम के लायक बना दिया है जिसके लिए अपेक्षित आवेदन पहले ही प्रस्तुत किया जा चुका है। साथियों, यह तो बस प्रारंभ है लेकिन हमारा लक्ष्य अगले 2 वर्ष में नवरत्न का दर्जा हासिल करने का है। इस प्रतिबद्ध के साथ कंपनी अपने पुराने गौरवों को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है।

हम अपने क्षतियों को दूर करते हुए, लाभ हार्जित करने वाली कंपनी में परिवर्तित किया है। मिनिरत्ना का दर्जा हासिल करने और नवरत्न की ओर बढ़ने के लिए हमें ऋण मुक्त होने की जरूरत है। हमें अपनी सभी प्रतिभाओं और बड़े लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में सरलता लानी होगी। हमारी प्रतिबद्धता अचल है। हमारा उद्देश्य दृढ़ है। दूरसंचार विभाग तथा भारत सरकार के सहयोग के साथ, हम मार्केट टर्ब्युलन्स के माध्यम से वित्तीय आत्मनिर्भरता को बनाए रखने की ओर बढ़ेंगे।

आइए, हम इस विशेष अवसर पर अपने सभी स्वतंत्रता योद्धाओं को बड़े सम्मान के साथ याद करते हुए, हम उन सभी फ्रंटलाइन कोरोना योद्धाओं को भी अभिनंदन करें, जो अपने जीवन को खतरे में डालकर देश में वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लड़ रहे हैं। मैं पूरे आईटीआई परिवार के साथ, कोरोना योद्धाओं के समर्पण और निस्वार्थ सेवाओं की सराहना करता हूँ।

एक बार फिर से इस स्वतंत्रता दिवस पर आप सभी को मेरी शुभकामनाएँ ।

जय हिंद !

(आर एम अग्रवाल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक